



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30] नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 22, 1973/माघ 2, 1894

No. 30] NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 22, 1973/MAGHA 2, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह झलग संकलन के रूप में रखा जा सक ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 22nd January 1973

S.O. 39(E)/15/IDRA/73.—Whereas the industrial undertaking known as Messrs International Rubber Manufacturing Company, Calcutta, is engaged in the scheduled industry, namely, the rubber goods industry;

And whereas it has come to the notice of the Central Government that the production of the articles manufactured in the said industrial undertaking has come to a standstill consequent upon the closure of the said industrial undertaking by the management, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient to take urgent measures to remedy the situation arising out of the closure of the said industrial undertaking and to ensure that the production in the said scheduled industry does not suffer to the detriment of public interest;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government

hereby appoints, for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of:—

Chairman

Shri M. K. Chitre, Industrial Adviser, Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, Government of India, New Delhi.

Members

Shri B. B. Dutta, Manager, Industrial Reconstruction Corporation of India Limited, Calcutta.

Shri S. K. Chakraborty, Deputy Director of Industries (Research), Government of West Bengal, Calcutta.

2. The said body shall submit its report within six weeks from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

[No. F. 2/3/72-C.U.C.]

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

औद्योगिक विकास मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1973

का० आ० 39(अ)/15/आई०डी०आर०ए०/73.—यतः मैसर्स इंटरनेशनल रबर मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम, अनुसूचित उद्योग, अर्थात्, रबर सामान उद्योग में लगा हुआ है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार की जानकारी में यह आया है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित वस्तुओं के उत्पादन में प्रबंध मण्डल द्वारा उक्त औद्योगिक उपक्रम के बंद किए जाने के परिणामस्वरूप गतिरोध, जिसका विद्यमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए कोई औचित्य नहीं है, आ गया है ;

और यतः, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम के बंद हो जाने से उत्पन्न परिस्थिति के उपचार और यह सुनिश्चित करने को कि उक्त अनुसूचित उद्योग में उत्पादन लोक हित पर प्रतिकूल रूप में न गिरे तुरंत कार्यवाही करना समीचीन है ;

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, मामले की परिस्थितियों का पूर्ण रूपेण अध्ययन करने के प्रयोजन से, एाद्वारा निम्नलिखित व्यक्तियों से बना एक निकाय नियुक्त करती है:—

अध्यक्ष

श्री एम० के० चिन्ने,

औद्योगिक सलाहकार,

विकास आयुक्त कार्यालय, लघु उद्योग,

भारत सरकार,

नई दिल्ली ।

सबस्य

श्री बी० बी० दत्ता,

प्रबंधक, भारत का औद्योगिक पुनर्गठन निगम,

कलकत्ता ।

श्री एस० के० चक्रवर्ती,

उद्योग (अनुसंधान) उपनिदेशक, पश्चिम बंगाल सरकार, कलकत्ता

2. उक्त निकाय इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 6 सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्टें प्रस्तुत करेगा ।

[सं० फा० 2/3/72-सी० यू० सी०]

विनेश किशोर सक्सेना, संयुक्त सचिव ।

